



प्रेस-विज्ञप्ति

दिल्ली पुस्तक मेले में साहित्य अकादेमी द्वारा युवा साहिती कार्यक्रम का आयोजन युवा रचनाकार समाज की बदलती ज्यामिती को अच्छी तरह समझ रहे हैं – कमल कुमार

नई दिल्ली, 31 अगस्त 2018। साहित्य अकादेमी ने दिल्ली पुस्तक मेले में आज 'युवा साहिती' कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ लेखिका कमल कुमार ने की। कार्यक्रम में स्नेह सुधा (हिंदी), त्रिपुरारि (उर्दू) एवं मनीष कुमार झा (मैथिली) ने अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं। सर्वप्रथम स्नेह सुधा ने अपनी कहानी 'फॉस' प्रस्तुत की। कहानी में युवा अवस्था में प्रेम और विवाह को लेकर होने वाले असमंजस को प्रस्तुत किया गया था। त्रिपुरारि ने पहले कुछ गज़लें प्रस्तुत कीं और उसके बाद कुछ नज़में पढ़ीं। उनकी 'माचिस', 'जेहन', 'उदास लड़का' और 'गैंगरेप' नज़मों को श्रोताओं ने बेहद पसंद किया। इन नज़मों में मोहब्बत ही नहीं बल्कि एटमबम से लेकर आज के समाज में घट रही चिंताजनक घटनाओं को प्रस्तुत किया गया था। मैथिली के युवा गीतकार मनीष कुमार झा ने अपनी कविताओं में शहीद और उसके परिवार, स्त्रियों की दशा और देशभक्ति से जुड़ी कविताएँ और गीत प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष कमल कुमार ने तीनों युवा रचनाकारों द्वारा प्रस्तुत रचनाओं पर टिप्पणी करते हुए कहा कि हमारे युवा रचनाकार समाज की बदलती ज्यामिती को अच्छी तरह समझ रहे हैं और उसे अपने अनुभवों के आधार पर अलग-अलग तरीके से व्यक्त भी कर रहे हैं। आगे उन्होंने कहा कि कविताएँ हमेशा भाषाओं की सीमा को लौंघकर सब तक पहुँचती हैं। और यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने अपनी कविता 'सीता' प्रस्तुत की। साहित्य अकादेमी द्वारा दिल्ली पुस्तक मेले में आयोजित किए गए कार्यक्रमों की ये अंतिम कड़ी थी। पिछले चार दिनों में साहित्य मंच, बाल साहिती, आदिवासी कवि सम्मिलन एवं अस्मिता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का संचालन साहित्य अकादेमी के सहायक संपादक अजय कुमार शर्मा द्वारा किया गया।

(के. श्रीनिवासराव)